वर्णमाला

वर्णों का उच्चारण स्थान

वर्ण वह छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े या खंड न किए जाए सकें, उसे वर्ण कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण हैं, जिनमें 11 स्वर और 41 व्यंजन हैं।

वर्ण के दो भेद हैः-

1. स्वर
2. व्यंजन

वर्णमाला	
अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ	**स्वर**
अं अः	**अयोगवाह**
क ख ग घ ड़ (कवर्ग) च छ ज झ (चवर्ग) ट ठ ड ढ ण (टवर्ग) त थ द ध न (तवर्ग) प फ ब भ म (पवर्ग)	**स्पर्श व्यंजन**
य र ल व	**अंतःस्थ व्यंजन**
श ष स ह	**ऊष्म व्यंजन**
क्ष त्र ज्ञ श्र	**संयुक्त व्यंजन**
ड़ ढ़	**उत्क्षिप्त व्यंजन**
ज़ फ़	**आगत व्यंजन**

1. **स्वर**

जिन ध्वनियों या वर्णों के उच्चारण में अन्य वर्णों की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर के तीन भेद हैं:-

(i) ह्रस्व स्वर

(ii) दीर्घ स्वर

(iii) प्लुत स्वर

स्वरों का वर्गीकरण व उच्चारण स्थान					
वर्ण नाम	**उच्चारण स्थान**	**ह्रस्व स्वर**	**दीर्घस्वर**	**निरानुनासिक / मौखिक स्वर**	**अनुनासिक स्वर**
कंठ्य	कंठ	अ	आ	अ, आ	अँ, आँ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	इ	ई	इ	इँ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग) कंठ + तालु (कंठतालव्य) ओष्ठ + कंठ (कंठोष्ठय)	ऋ – –	ए, ऐ ओ, औ		
ओष्ठ्य	ओष्ठ / ओंठ	उ	ऊ		

2. **व्यंजन**

स्वरों की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है। परंपरागत रूप से व्यंजनों की संख्या 33 मानी जाती है। 2 उत्क्षिप्त व्यंजन 4 संयुक्त व्यंजन 2 आगत व्यंजन जोड़ने पर इनकी संख्या 41 हो जाती है।

व्यंजनों का वर्गीकरण व उच्चारण स्थान

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
कंठ्य	कंठ	क	ख	ग	घ	ड़
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	च	छ	ज ज़	झ	
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ट	ठ	ड	ढ ढ़	ण
दंत्य	ऊपरी दाँतों के निकट से	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	दोनों ओठों से	प	फ फ़	ब	भ	म
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	–	श	य		
वर्त्स्य	दंत + मसूड़ा (दांत मूल से)		स	र, ल		
दंत्योष्ठ्य	ऊपर के दाँत + निचला ओंठ		–	व		
मूर्धन्य	मूर्धा (भीतर की छत का अगला भाग)		ष	–		
स्वरयंत्रीय	स्वर यंत्र (कंठ		–	–	ह	

	के भीतर स्थित)					
उत्क्षिप्त	जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आये।		–	ड़	ढ़	
	आगत / गृहीत ध्वनियाँ..... **क..... स्पर्शी ख़, ग़ ज़, फ़ ..... (ऊष्म / संघर्षी)** **अयोगवाह –** **अनुस्वार (-), विसर्ग (:)**					